



বিদ্যাসাগর বিশ্ববিদ্যালয়
VIDYASAGAR UNIVERSITY
Question Paper

B.A. Honours Examinations 2021

(Under CBCS Pattern)

Semester - II

Subject : SANSKRIT

Paper : GE 2-T

Full Marks : 60

Time : 3 Hours

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

The figures in the margin indicate full marks.

[INDIAN CULTURE AND SOCIAL ISSUES]

1. প্রশ্নচতুষ্টয় সমাধেয়ম্ :

4 × 15 = 60

যে কোন চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

(ক) সংস্কৃতসাহিত্যে যবনানাংযোগদানবিষয়ে প্রবন্ধমেকং লিখতু।

সংস্কৃত সাহিত্যে মুসলিমদের যোগদান বিষয়ে একটি প্রবন্ধ রচনা কর।

(খ) বৈদিকযুগমনুসৃত্য নারীগামবস্থানং প্রতিপাদয়ত।

বৈদিকযুগে নারীদের অবস্থান সম্পর্কে আলোচনা কর।

(ग) भारतीयसंस्कृतिः इत्यनेन किं बुध्यते? भारतीयसमाजे - जनजीवने च बहुसंस्कृतीनां प्रभावो वर्णनीयः।

भारतीय संस्कृति बलते कि बोवा? भारतीय समाज ओ जनजीवन बहसंस्कृतिर प्रभाव वर्णना कर।

(घ) अश्वघोषस्य वज्रसूज्यनुसारेण वर्णव्यवस्था आलोचनीया।

अश्वघोषेर वज्रसूती अनुसारे वर्णव्यवस्था सम्पर्के आलोचना कर।

(ङ) सिन्धुसभ्यतायाः मौलिकवैशिष्ट्यम् आलोचयत।

सिन्धुसभ्यतार मूल वैशिष्ट्यगुलि आलोचना कर।

(च) रामायणमनुसृत्य भवभूतेः उत्तररामचरितम् इति नाटकमवलम्ब्य लघुप्रबन्धमेकं आलोचयत।

रामायण अवलम्बने रचित भवभूतिर उतररामचरित नाटक सम्पर्के संक्षेपे प्रबन्ध रचना कर।

(ज) प्राचीन-भारतीय विधिव्यवस्थायाः उत्सभूतधर्मशास्त्रविषये निबन्धः एकः लेख्यः।

प्राचीन भारतीय आइनेर उंस एमन ये कोन एकटि धर्मशास्त्रेर सम्पर्के प्रबन्ध लेख।

(झ) टीका लेख्या : होलिः, मकरसंक्रान्तिः, विहुः।

टीका लेख : होलि, मकरसंक्रान्ति, विह।

Or

[SANSKRIT AND OTHER MODERN INDIAN LANGUAGES]

1. अधोलिखितेषु यथेच्छं चत्वारः प्रश्नाः समाधेयाः :

4 × 15 = 60

निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যে কোন চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

(क) 'भाषापरिवार' इत्यनेन किं ज्ञायते? भारीपीयभाषापरिवारस्य एकं विवरणंप्रदीयताम्।

ভাষাপরিবার বলতে কি বোঝ? ভারোপীয়ভাষাপরিবারের একটি বিবরণ দাও।

(ख) कस्तावत् ध्वनिनियमः? उदाहरणैः सह ग्रास्मान्-महोदयस्य ध्वनिनियमः व्याख्येयः।

ধ্বনিসূত্র কাকে বলে? উদাহরণ দিয়ে গ্রাসমানের ধ্বনিসূত্র আলোচনা কর।

(ग) वैदिकसंस्कृतेन सह लौकिकसंस्कृतस्य पार्थक्यं वैशाद्येन लेख्यम्।

বৈদিকসংস্কৃতের সাথে লৌকিক সংস্কৃতের পার্থক্য আলোচনা কর।

(घ) भारतीयार्थभाषायाः विवर्तनविषये एकः प्रबन्धः विरचनीयः।

ভারতীয় আর্থভাষার বিবর্তন বিষয়ে একটি প্রবন্ধ লেখ।

(ङ) संस्कृतभाषायां संस्कृतेतरभाषाणां प्रभावः आलोचनीयः।

সংস্কৃত ভাষার উপর সংস্কৃতেতরভাষাগুলির প্রভাব আলোচনা কর।

(च) इन्दो-इरानीयभाषायाः वैशिष्ट्यानि उदाहरणैः सह आलोच्यानि।

ইন্দো-ইরানীয়ভাষার বৈশিষ্ট্যগুলি উদাহরণ সহ আলোচনা কর।

(छ) टीका लेख्या : विषमीभवनम्, समाक्षरलोपः, मध्यस्वरागमः।

টীকা লেখ : বিষমীভবন, সমাক্ষরলোপ, মধ্যস্বরগমঃ।

(ज) टीका लेख्या : हिंदीयभाषा, इटालिकभाषा, द्राविड़भाषा।

টীকা লেখ : হিন্দীভাষা, ইটালিকভাষা, দ্রাবিড়ভাষা।

Or

[INDIAN EPIGRAPHY & PALEOGRAPHY]

1. अधोलिखितेषु यथेच्छं चत्वारः प्रश्नाः समाधेयाः :

4 × 15 = 60

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোন চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

(ক) भारतीयलेखनकलायाः प्राचीनताविषये प्रबन्धो रचनीयः ।

ভারতীয় লেখনকলার প্রাচীনতা বিষয়ে প্রবন্ধ লেখো।

(ख) प्राचीनभारतीयेतिहासस्य संस्कृतेश्च पुनर्गठने अभिलेखसाहित्यस्य उपयोग आलोचनीयः ।

প্রাচীন ভারতীয় ইতিহাস ও সংস্কৃতির পুনর্গঠনে অভিলেখ সাহিত্যের উপযোগিতা সম্পর্কে আলোচনা করো।

(ग) ब्राह्मीलिपेः उद्भवविषये प्रचलितानां विभिन्नानां मतानाम् उल्लेखः कार्यः ।

ব্রাহ্মীলিপির উৎপত্তি বিষয়ে প্রচলিত বিভিন্ন মত উল্লেখ করো।

(घ) भारतीयअभिलेखचर्चायां दीनेशचन्द्रसरकार-कानिंहाम महोदययोः भूमिका आलोचनीया ।

ভারতীয় অভিলেখচর্চায় দীনেশ চন্দ্র সরকার ও কানিংহাম মহোদয়ের ভূমিকা আলোচনা করো।

(ङ) अशोकप्रचारिते धम्मलिपिविषये संक्षिप्ता आलोचना कार्या । अशोकानुशासनेषु येषां राजपुरुषाणां नामानि उपलभ्यन्ते तेषु कस्यचिद् द्वयस्य परिचयः प्रदेयः ।

অশোক প্রচারিত ধর্মলিপি সম্পর্কে সংক্ষেপে আলোচনা করো। অশোকের অনুশাসনসমূহে যে রাজপুরুষদের নাম পাওয়া যায় তাদের মধ্যে যে কোনো দুজনের পরিচয় দাও।

(च) समुद्रगुप्तप्रवर्तितस्य एरणलेखस्य प्राप्तिस्थानं लिपेः भाषा च लेखनीयः । अस्य लेखस्य विषयवस्तु ऐतिहासिकमहत्वञ्च आलोच्यन्ताम् ।

3 + 12 = 15

সমুদ্রগুপ্তের এরাণ লেখের প্রাপ্তিস্থান, লিপি ও ভাষা উল্লেখ করো। এই লেখের বিষয়বস্তু ও ঐতিহাসিক গুরুত্ব আলোচনা করো।

(छ) प्रथमरुद्रदाम्नो जुनागडाभिलेखमाप्रित्य सुदर्शनसेतोः ध्वंसकारणं तथा जीर्णोद्धारप्रक्रिया च वर्णनीये ।

প্রথম রুদ্রদাম্নর জুনাগড় অভিলেখানুসারে সুদর্শন সেতুর ধ্বংসের কারণ ও তার জীর্ণোদ্ধারপ্রক্রিয়া বর্ণনা করো।

(ज) टिप्पणी रचनीया (त्रयम् आप्प्रित्य) :

3 × 5 = 15

समाजः, बाह्लिका,सिद्धमातृका लिपिः, चिकित्सा, विक्रमाब्दः, मोक्षः ।

टीकालेख : (ये कोन तिनटि)

समाज, बाह्लिक, सिद्धमातृका लिपि, चिकित्सा, विक्रमाब्द, मोक्ष ।

Vidyasagar University

